Patrika (Indore), 26th March 2020, Page-5

टूटी परंपरा : कोरोना संक्रमण के चलते बदली प्रक्रिया

आईआईएम ने जूम से मंजूर कराई डिग्री तो आईआईटी ने बैठकों से बनाई दूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. कोरोना संक्रमण के कारण आईआईएम और आईआईटी को परंपराएं तोड़ना पड़ी हैं। आईआईएम इंदौर ने जहां दीक्षांत समारोह जैसे प्रतिष्ठित समारोह को स्थगित कर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से डिग्री मंजूर कराई, वहीं आईआईटी इंदौर ने अब दूरी बनाते हुए बैठकों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म चुना है।

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) इंदौर में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक बुधवार को वेब बेस्ड एप्लीकेशन जूम के जरिए हुई। इसमें आईआईएम इंदौर के चेयरमैन ने मुंबई से अध्यक्षता की, वहीं डायरेक्टर सहित 11 अन्य सदस्य अपने-अपने शहरों से स्क्रीन के सामने बैठे। इसमें पास आउट को डिग्री का रिजॉल्यूएशन मंजूर हुआ। आईआईटी इंदौर ने इसी तरह की एप्लीकेशन के जरिए बैठकें शुरू कर दी हैं। कोरोना फैलने के बाद फिजिकल रूप से मीटिंग टाली जा रही थी। विभाग स्तर की छोड़ दी जाए तो परिसर में होने वाली बैठक भी खुले मैदान में निश्चित दूरी पर की जा रही है। आईआईटी आईआइएम की तर्ज पर क्लास सस्पेंड कर चुका है।

शहर के तीन बीएड कॉलेजों की मान्यता खत्म

इंदौर. एनसीटीई के कोर्स चला रहे शहर के तीन कॉलेज उच्च शिक्षा विभाग की मान्य सूची से बाहर हो गए। इन्होंने समय रहते कमी पूरी नहीं की तो अगले सत्र (2020-21) में यहां एडमिशन नहीं हो सकेंगे। जुलाई से नया सत्र शुरू करने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने अनुमति जारी करने की प्रक्रिया शुरू की थी। विभाग ने सबसे पहले नेशनल काउंसिल फॉर टीचर्स एजुकेशन (एनसीटीई) का कोर्स चलाने वाले कॉलेजों की सूची जारी की, जिन्हें अनुमति दी गई। डीएवीवी से संबद्ध कॉलेजों में इल्का कॉलेज, क्रिश्चियन एजुकेशन सोसायटी और यश एजुकेशन सोसायटी को मान्यता नहीं दी।

कॉलेज लामबंद : प्रदेश में गत सत्र से 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस कोटा लागू कर कॉलेजों में 26 फीसदी तक सीटें बढ़ाई गई थीं, मगर बीएड, एमएड, एनसीटीई के कोर्सेस की सीटें नहीं बढ़ाई गईं। इसके लिए कॉलेज लामबंद हैं।